राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

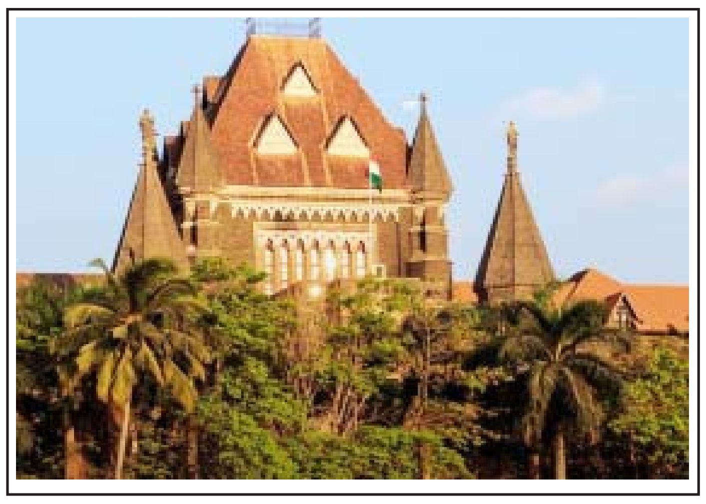

वर्ष – 04 | अंक – 11 | जौनपुर रविवार, 24 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

लंगर मानवता का प्रतीक, सनातन धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने किया सर्वस्व बलिदान : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा और समाज को अधर्म के खिलाफ खड़ा करने में सिख गुरुओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने अपने प्राणों तक का बलिदान कर इस देश की संस्कृति और मूल्यों की रक्षा की। यह परंपरा आज भी हमें प्रेरित करती है। सीएम रविवार को पैडलेगंज स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा में विकास कार्यों के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का जीवन त्याग और समर्पण की मिसाल है। चाहे गुरु अर्जुन देव का बलिदान हो

या गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों की शहादत, हर प्रसंग यह बताता है कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए उन्होंने कभी पीछे हटना नहीं सीखा। विकास कार्यों का यही कारण है कि आज भी पूरा देश सिख गुरुओं को नतमस्तक होकर याद करता है। योगी ने गुरुद्वारा की परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि यहां चलने वाला लंगर समाज को समानता और भाईचारे का संदेश देता है। इसमें न कोई जाति देखी जाती है, न धर्म और न ही किसी का चेहरा। जो भी आता है, वह प्रेम और श्रद्धा से लंगर छकता है। यही असली भारतीय संस्कृति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुद्वारे हमेशा समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण के केंद्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुरुद्वारों और तीर्थ स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज के अधिकांश कार्यक्रमों में इसलिए शामिल नहीं हो पाता कि उस खास दिन लखनऊ में होता हूं। ऐसा होने पर लखनऊ में ही कार्यक्रम में शामिल होता हूं। इस अवसर पर सदर सांसद रविकिशन ने कहा कि सिख धर्म का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है। देश की स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा में सिखों ने अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गुरुओं का जीवन हमें न केवल आस्था बल्कि राष्ट्र के लिए समर्पण का भी पाठ पढ़ाता है। कार्यक्रम में गोरखपुर के अलावा देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बस्ती, संतकबीरनगर, मऊ, आजमगढ़ आदि जगहों से सिख समाज के लोग पहुंचे थे।

संकीर्ण राजनीतिक फायदे के लिए सदन न चलने देना ठीक नहीं : अमित शाह

नई दिल्ली , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संसद या विधानसभाएं बहस और चर्चा की जगह हैं, लेकिन संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए सदन को चलने न देना ठीक नहीं है। शाह ने अखिल भारतीय सभापति सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बात कही। संसद का मानसून सत्र विपक्ष के विरोध के चलते बार–बार बाधित हुआ और सत्र के दौरान काफी कम काम हुआ। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि जब संसद में सीमित बहस या चर्चा होती है, तो इससे राष्ट्र निर्माण में सदन का योगदान प्रभावित होता है। अमित शाह ने कहा लोकतंत्र में बहस होनी ही चाहिए। लेकिन किसी के संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए, विपक्ष के नाम पर सदन को चलने न देना ठीक नहीं है। विपक्ष को हमेशा संयमित रहना चाहिए। देश को इस पर विचार करना होगा, जनता को इस पर विचार करना होगा और निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस पर विचार करना होगा।श शाह ने कहा कि सभी चर्चाओं में सार्थकता होनी चाहिए और सभी को अध्यक्ष पद की गरिमा और सम्मान बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।

आंध्र प्रदेश की दंपति की फांसी की सजा बदली

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक सनसनीखेज मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। आंध्र प्रदेश के रहने वाले एक दंपति को, जिन पर एक साल के मासूम बच्चे की हत्या का दोष साबित हुआ था, मिली फांसी की सजा को घटाकर उम्रकैद कर दिया गया है। अदालत ने साफ कहा कि यह मामला सबसे दुर्लभ मामलों में से दुर्लभ की श्रेणी में नहीं आता, इसलिए मृत्युदंड की बजाय आजीवन कारावास उपयुक्त होगा। कहा कि दोनोंअभियुक्तों, शेख हसीना सुल्ताना और शेख वन्नूर शा, की उम्र और परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें सुधरने का मौका दिया जा सकता है।

पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही भाजपा

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही है। पूजा पाल को बताना चाहिए कि उन्हें किससे जान का खतरा है? अभी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। अखिलेश यादव उन आरोपों पर बयान दे रहे थे जिसमें विधायक पूजा पाल ने कहा था कि उन्हें जान का खतरा है और

अगर उन्हें कुछ हो गया तो इसके जिम्मेदार सपा और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव होंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ में सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग फ्रस्टेट हो गए हैं इसीलिए अमर्यादित हरकतें कर रहे हैं। अभी बलिया में बिजली विभाग के कार्यालय में घुसकर एक दलित समाज से आने वाले इंजीनियर को जूतों से पीटा। उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कुछ समय बाद इनके नेताओं के हाथों में जूता ही नजर आएगा। सवाल पूछे जाने पर कि क्या वो बिहार में हो रही वोटर अधिकार यात्रा में जाएंगे? इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि ये यात्रा इंडिया गठबंधन की है। हम इसमें जरूर जाएंगे। जल्द ही कार्यक्रम जारी हो जाएगा। सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक पूजा पाल के जान का खतरा होने के आरोप पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है कि मामले की पूरी जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि सपा ने पूजा पाल का मुश्किल समय में साथ दिया था। ऐसे में उन्हें किससे जान का खतरा है इसकी जांच करवाई जाए।

सामान्य रूप से वायुसेना और विशेष रूप से कॉकपिट, मेरे जीवन में महान शिक्षक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में गगनयात्रियों के सम्मान समारोह के दौरान भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वायुसेना की पृष्ठभूमि और कॉकपिट मेरे जीवन के सबसे महान शिक्षक हैं। मैं मानता हूं कि इतनी तैयारी कोई और भी करता तो वह भी इसे हासिल कर सकता था। उन्होंने कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्रा के दौरान बनाई गई क्लिप भी लोगों को दिखाई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैंने जो कुछ भी सहा है और जो कुछ भी हासिल किया है, मुझे लगता है कि उसमें इस वर्दी में और वायुसेना में रहकर मेरी जो पृष्ठभूमि रही है या वर्षों तक जो तैयारी की है उसका बड़ा रोल रहा। इसके आधार पर हममें से कोई भी जो यहां बैठा है,

उतना ही अच्छा काम कर सकता था। यही आत्मविश्वास मेरे अंदर भी है। जब भी मैं जिंदगी में आने वाली हर चुनौती को देखता हूं तो मुझे लगता है कि यह मेरे विशेष शिक्षक रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पास अंतरिक्ष से ली गई एक छोटी सी क्लिप है। इससे मैंने भारत की तस्वीर खींचने की कोशिश की थी। भारत वहां से वाकई बहुत खूबसूरत दिखता है। मैं ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं कह रहा हूँ क्योंकि हम सभी भारतीय हैं, बल्कि मुझे लगता है कि अगर आप अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद किसी भी अंतरिक्ष यात्री से बात करें, तो इसकी अनोखी स्थिति और आकार से हर कोई प्रभावित है। खासकर रात के समय जब आप हिंद महासागर से दक्षिण से उत्तर की ओर भारत के ऊपर से गुजरते हैं, तो मुझे लगता है कि यह शायद मेरे जीवन में देखे जाने वाले सबसे खूबसूरत नजारों में से एक होगा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में बनाई गई क्लिप दिखाते हुए कहा कि आप जो देखेंगे वह पृथ्वी का उल्टा होना है और जो हरा रंग आप देख रहे हैं वह परमाणुओं के कारण वायुमंडल की ऊपरी परतों में व्याप्त ऑक्सीजन है। स्क्रीन के नीचे तारे हैं और सबसे ऊपर पृथ्वी होगी। हम भारत के ऊपर से गुजर रहे होंगे और इसलिए यह दृश्य की सामान्य सेटिंग है। जो चमक आप देख रहे हैं वह आंधी है, बिजली है। इस मिशन के दौरान 18 दिनों के लिए मैं अपने साथ सात प्रयोग लेकर गया था जो भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए थे। मैंने वास्तव में कभी नहीं सोचा था, लेकिन अंतरिक्ष में ऐसा करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण था क्योंकि सब कुछ बदल जाता है, आपके आसपास का स्थान बदल जाता है, आपका शरीर बदल जाता है। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैं एक शर्मीले और संकोची व्यक्ति के रूप में पला–बढ़ा हूं और युवावस्था में मैंने कभी अंतरिक्ष में जाने का सपना नहीं देखा था। मैंने राकेश शर्मा की ऐतिहासिक अंतरिक्ष उड़ान की कहानियां सुनी हैं, लेकिन अंतरिक्ष यात्रा का सपना उनके जीवन में जल्दी नहीं पनपा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि रक्षा मंत्री ने मुझे सम्मानित किया और मुझे लगता है ।

संक्षिप्त खबरें

दस साल से हो रही थी मतों की चोरी, निर्वाचन आयोग को करनी चाहिए थी जांच : राज ठाकरे

मुबंई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह 2016 से ही 'वोट चोरी' की बात कर रहे हैं और जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भाजपा के अनुराग ठाकुर ने मतदाता सूची में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, तब निर्वाचन आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए थी। नगर निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के स्थानीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूचियों की सावधानीपूर्वक जांच करने को कहा। राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर द्वारा मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, ''जब विपक्ष के साथ–साथ सरकार के सदस्य भी संदेह जता रहे हैं, तो निर्वाचन आयोग को उसकी जांच करनी चाहिए, लेकिन वह मामले को दबाना पसंद कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि उसे डर है कि पिछले 10 वर्षों की 'वोट चोरी' उजागर हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''वे इतने वर्षों तक वोट चुराकर सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं।'' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किस राजनीतिक दल की बात कर रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा, ''पिछले दस सालों से वोटों की चोरी हो रही है। मैं 2016 से इसके बारे में बोल रहा हूं। मैंने शरद पवार, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी सदस्यों से भी मुलाकात की। वर्ष 2017 में, मैंने चुनावों का बहिष्कार करने का सुझाव दिया था।

वोट चोरी के बाद सत्ता चोरी में जुटी भाजपा : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को पीएम, सीएम और मंत्रियों को हटाने वाले विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के बाद भाजपा अब सत्ता चोरी में लगी हुई है। भाजपा 30 दिनों के भीतर विपक्षी सरकारों को गिराने और गिरफ्तारी को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक ला रही है। इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्य प्रदेश के जिला कांग्रेस समितियों के जिलाध्यक्षों की बैठक में खरगे ने दावा किया कि ये विधेयक नागरिकों से उनकी चुनी हुई सरकार बनाने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं और यह शक्ति ईडी–सीबीआई जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है। खरगे ने जिला

कांग्रेस प्रमुखों को बूथ और मंडल समितियों के गठन में विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इन समितियों के लोग पार्टी के प्रति वफादार हों और कांग्रेस की विचारधारा से विचलित न हों। जिला अध्यक्ष अपने अधीन ब्लॉक समिति बनाता है। वह मंडल और बूथ समितियां बनाता है। जब आप ये समितियां बनाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि ये सभी लोग पार्टी के प्रति वफादार और मेहनती हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कांग्रेस की विचारधारा से विमुख न हों। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों की जरूरत है कि अगर कोई उन्हें प्रलोभन भी दे तो भी उनकी निष्ठा कांग्रेस के प्रति बनी रहनी चाहिए। कांग्रेस ने अपने मजबूत संगठन के कारण लंबे समय तक देश पर शासन किया और मंत्रियों के लिए यह जरूरी है कि वे जब भी किसी जिले में जाएं तो सबसे पहले जिला अध्यक्ष से संपर्क करें। उन्होंने हरियाणा और मध्य प्रदेश के जिलाध्यक्षों से कहा कि वे कांग्रेस संगठन की सबसे मजबूत कड़ी हैं। अगर राज्य में सरकार बनानी है तो विधानसभा में उम्मीदवार को जिताने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर देश में सरकार बनानी है तो लोकसभा जीतने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। बीच में इस परंपरा में थोड़ा बदलाव आया। मंत्री अपने पसंदीदा लोगों को जिला अध्यक्ष बनाने लगे। योग्यता और विचारधारा को नजरअंदाज किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और मुझे यह अहसास हुआ कि संगठन को मजबूत किए बिना, जिला अध्यक्षों को महत्व दिए बिना हम मजबूती से सत्ता में वापसी नहीं कर सकते। कांग्रेस प्रमुख ने जिला प्रमुखों से गुटबाजी से बचने और संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करने का भी आग्रह किया। आपको सभी को एकजुट रखना होगा। गुटबाजी को पनपने न दें। जब कांग्रेस एकजुट रहेगी, तभी हम चुनाव जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी कि किस तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर एक साजिश के तहत रणनीतिक तरीके से वोट चुराए गए। हमें यह सब छह महीने के शोध के बाद पता चला। चुनाव आयोग ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। अब पूरा देश इसे समझ रहा है। बिहार में एसआईआर पर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के बयान को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है।

कश्मीर में आतंकवादियों का डर लगभग खत्म हो चुका : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर घाटी में आतंकवादियों और उनकी मदद करने वाले पूरे तंत्र का डर लगभग खत्म हो गया है। सिन्हा ने यह भी कहा कि पहले गलत वजहों से सुर्खियों में रहे पुलवामा जैसे इलाके अब श्रीनगर की तुलना में अधिक उद्योगों को आकर्षित कर रहे हैं। उपराज्यपाल ने शनिवार शाम 'इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स' के सदस्यों से कहा कि इस साल अब तक कश्मीर में केवल एक ही ऐसा मामला सामने आया है जिसमें कोई स्थानीय व्यक्ति आतंकवादियों में शामिल हुआ। सिन्हा ने कहा, ''कश्मीर घाटी के अनंतनाग और पुलवामा जिलों जैसे इलाकों में निवेश हो रहा है। श्रीनगर की तुलना में पुलवामा में अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित की गई हैं। आतंकवादियों और उनकी मदद करने वाले पूरे तंत्र का डर लगभग

खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले गलत वजहों से सुर्खियों में रहने वाले पुलवामा जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान के दौरान रैलियों में युवाओं की भारी भागीदारी देखी गई।

भारत–पाक मैच कोई मुद्दा नहीं, विपक्ष को महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने चाहिए : अजित पवार

मुबंई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि विपक्ष को भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच जैसे गैरजरूरी मुद्दों पर बोलने के बजाय भारी बारिश से हुई फसल क्षति और यातायात जाम जैसे अहम मुद्दे उठाने चाहिए। वह शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत की उस आलोचना पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें राउत ने पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में एशिया कप में भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ खेलने की केंद्र सरकार की अनुमति पर सवाल उठाया था। अजित पवार ने कहा, ''कुछ लोगों का मानना है कि भारत को पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वी से कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, क्योंकि वह हमारे देश में आतंकवादी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है। वहीं, एक वर्ग ऐसे मैच को उत्साह से देखता है। जहां तक विपक्ष का सवाल है, उसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आज कई अहम विषय हैं जैसे भारी वर्षा, फसल का नुकसान और यातायात जाम लेकिन विपक्ष के सदस्य भारत–पाकिस्तान मैच जैसे गैरजरूरी मुद्दों पर बोलते हैं।'' उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वोट चोरी के आरोपों में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष फर्जी विमर्श गढ़ने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इसमें सफल नहीं होगा।

यूरोप और अन्य देशों से बढ़ेगा व्यापार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत इस समय यूरोपीय संघ अमेरिका, चिली और पेरू समेत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की तरफ उम्मीद से देख रही है और विकसित देश हमारे साथ व्यापार समझौते करने के इच्छुक हैं। पीयूष गोयल ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय दिन–रात इन समझौतों की बातचीत में जुटा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सुबह जैसे ही ऑस्ट्रेलिया और जापान के दफ्तर खुलते हैं, बातचीत शुरू हो जाती है। दोपहर में यूरोप से संवाद होता है और शाम होते ही अमेरिका के साथ चर्चा शुरू हो जाती है। इसके अलावा पेरू और

चिली से भी लगातार संपर्क बना हुआ है। भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, अमेरिका ने भारत में होने वाली छठे दौर की बैठक को स्थगित कर दिया है। यह बातचीत खास इसलिए है क्योंकि अमेरिका ने भारतीय सामान पर 27 अगस्त से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है। अभी तक 25 प्रतिशत शुल्क लागू है। इससे भारतीय निर्यातकों पर सीधा असर पड़ सकता है। यूरोपीय संघ (ईयू) और भारत के बीच भी मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा चल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह समझौता हो जाता है तो यूरोप के बड़े बाजारों में भारतीय सामान को और बेहतर पहुंच मिलेगी। इसी तरह, चिली और पेरू जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। गोयल दिल्ली में उद्यमी और व्यापारिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत की पहचान एक मजबूत और भरोसेमंद कारोबारी साझेदार के रूप में हो रही है। दुनिया के देश चाहते हैं कि भारत के साथ लंबे समय तक टिकाऊ व्यापार संबंध बनें। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से भारत के किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को वैश्विक बाजार में नई ताकत मिलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत का एक और दौर शनिवार को पूरा कर लिया है। दोनों देशों ने दिसंबर, 2022 में एक अंतरिम व्यापार समझौते को लागू किया है।

संपादकीय

नाम नहीं, काम की संस्कृति

यहां की सांस्कृतिक विविधता ही हमारी पहचान है। आजादी का शतकीय महोत्सव, जो हम वर्ष 2047 में मनाने वाले हैं, उसके लक्ष्य में भी यही इच्छा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के साथ–साथ अपनी सांस्कृतिक गरिमा को बनाए रखकर विश्वगुरु की भूमिका निभाए। वर्तमान सरकार की भी यह घोषणा है कि अपने देश में जिस विकास की नींव हम रख रहे हैं, उसका सुफल हजारों वर्षों तक मिलेगा तथा हमारी सांस्कृतिक गरिमा और भव्यता बनी रहेगी। बहुत–सी बातें हैं जिनके बल पर हम इस दावे को प्रमाणित करना चाहते हैं। भारत एक युवा देश है और इसकी आधी आबादी कार्यशील उम्र अवधि में है। इसलिए अगर यह आधी आबादी काम पर या राष्ट्र निर्माण में लग जाए तो भारत को दूसरे देशों से आगे निकलने में देर नहीं लगेगी। मगर, हमारी अर्थव्यवस्था के प्रशस्ति गायकों का यह मत है कि हम दुनिया के विभिन्न देशों के मुकाबले काफी अच्छी स्थ में पहुंच गए हैं और अब जरूरत है अर्थव्यवस्था में कुछ और करने की। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में इसके सुखद परिणाम सामने आएंगे। अब देखना यह है कि विकसित भारत का सपना दिखाने वाले लोग क्या देश में काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के लिए अपने कर्त्तव्य का पालन कर रहे हैं। अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सर्वेक्षण रपट आई है, जिसमें विभिन्न देशों की मेहनत वृत्ति या काम करने की अवस्था का आकलन किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में कम से कम आधी आबादी काम के बजाय आराम करना पसंद करती है, क्योंकि मुफ्तखोरी और अनुकंपा संस्कृति का चलन बढ़ रहा है। एक और बात सामने आई है कि भारत में बहुत सारे लोगों की मेहनत को श्रेय या जैसे महिलाएं इस देश की आबादी का करीब आधा हिस्सा हैं। इनमें से ज्यादातर की मेहनत को घर का सामान्य कामकाज ही समझा जाता है। इस काम के लिए उन्हें अलग से कोई नियत वेतन नहीं मिलता। ये महिलाएं दिनभर काम में व्यस्त रहने के बावजूद अपने लिए कोई अलग आर्थिक संबल प्राप्त नहीं कर पातीं। इसमें संदेह नहीं कि आज भी जो बेकारी के आंकड़े सामने आते हैं, उनमें ग्रामीण बेरोजगारी के बाद शहरी बेरोजगारी में भी वास्तविक अर्थों में कोई कमी होती नजर नहीं आ रही। चाहे औपचारिक घोषणाओं में हम यह कहते रहें कि हमने हजारों खाली पद भर लिए हैं, लेकिन प्रश्न यह नहीं है कि हमने कितने खाली पद भरे, बल्कि देश की युवा संतति के कामकाज के लिए कितनी नई कार्य व्यवस्थाएं सृजित की गई। देश के वार्षिक बजट में के आय–व्यय ब्योरे में हम कितनी उन नई योजनाओं की घोषणा कर पाए, जिनमें युवा पीढ़ी को काम मिले। बेशक बजट में और इसके बाद नेताओं के भाषणों में यह कहा जाता है कि देश मध्यम और लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, क्योंकि इनमें साधारण नागरिकों को रोजगार देने की क्षमता है। पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री ने भी एक वक्तव्य दिया कि देश में सहकारिता की भावना को विकसित किया जाएगा, ताकि अधिक से लेकिन जब हम वास्तविकता का अवलोकन करते हैं तो पाते हैं कि मध्यम और कुटीर उद्योगों के विकास में भी बड़े पूंजीपतियों के निवेश का प्रवेश हो गया है, क्योंकि, सरकार की नीति निजी क्षेत्र को अधि ाक से अधिक प्रोत्साहन देने की है। सहकारिता आंदोलन के विकास के बारे में बहुत से औपचारिक बयान दिए जाते हैं,।

देश को चाहिए यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड

आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बावजूद, हर ध्वजारोहण के दौरान किये जाने वाले विकास के वादों के बावजूद, नये भारत के तथाकथित डिजिटल केंद्र में अरबों खर्च करने के बावजूद एक भारतीय नागरिक अपने पहचान पत्रों के साथ बेबस खड़ा है. सुप्रीम कोर्ट की पहले की चेतावनी पर सहमति जताते हुए बॉम्बे हाइकोर्ट ने भ्रम तोड़ दिया है रू पहचान के पवित्र टोकन समझे जाने वाले आधार, पैन और वोटर आइडी नागरिकता के सबूत नहीं हैं. यह एक धोखा है, नौकरशाही की कलई उतार देने वाली ऐसी घटना है, जिसकी चपेट में देश के 95 करोड़ मतदाता हैं. जिन दस्तावेजों को प्रमाणपत्र बताया गया था, उन्हें अचानक खोखला बता दिया गया है. ऐसे में, चाकू की तरह बेधक सवाल सामने है कि अगर ये कार्ड हमारी नागरिकता साबित नहीं करते, तो नागरिकता किससे साबित होती है? यह भी कि अगर राज्य इस प्रश्न का जवाब नहीं देता, तो फिर इस देश का क्या करें, जिसे हम अपना समझते आये हैं? बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला बाबू अब्दुल रउफ सरदार के लिए वज्रपात की तरह है, जिन्हें अदालत ने जमानत नहीं दी. आरोप है कि बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आये इस व्यक्ति ने यहां भारतीय नागरिकता से संबंधित जाली प्रमाणपत्र बना लिये. अदालत में न्यायमूर्ति अमित बोरकर की टिप्पणी स्पष्ट और दोटूक थी कि 'आधार, पैन और मतदाता प्रमाण पत्रों के होने भर से कोई इस देश का नागरिक नहीं बन जाता.' उनका यह भी कहना था कि ये दस्तावेज रोजगार पाने के प्रमाणपत्र हैं, इनसे नागरिकता कानून, 1955 के तहत नागरिकता साबित नहीं होती. उसी दिन सर्वोच्च न्यायालय ने एक दूसरे मामले में भारत निर्वाचन आयोग का समर्थन करते हुए कहा कि आधार नागरिकता

के प्रमाण का निर्णायक सबूत नहीं हो सकता. घुसपैठ पर अदालतों की सख्ती समझ में आती है, पर क्या सरकारी एजेंसियां भी अदालती आदेशों को बिना सोचे–विचारे उन पर लागू कर सकती हैं, जो अविभाजित भारत में पैदा हुए थे और जिन्होंने स्वतंत्र भारत को अपने आवास के रूप में चुना? जो आजाद भारत में पैदा हुए, उनका क्या? ये सारी बातें एक महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर ले जाती हैं. किसी को उसकी भारतीय नागरिकता का प्रमाणपत्र कहां से मिलेगा? नौकरशाही में तकरार की वजह से आरओसी (सिटिजन ऑफ रजिस्टर) को 2011 से अद्यतन नहीं किया गया है. आरओसी संभवतरू अकेला विश्वसनीय दस्तावेज है, जिसे सरकारी अधिकारियों द्वारा हर दशक में तैयार किया जाता है. अब चुनाव आयोग ने नागरिकता प्रदान करने का तंत्र खुद ही विकसित कर लिया है. वह वोट देने के इच्छुक नागरिकों से 11 दस्तावेज मांगता है. चुनाव आयोग को अब जन्म प्रमाणपत्र, मैट्रिक के प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाणपत्र, शादी के प्रमाणपत्र तथा माता–पिता के जन्म प्रमाणपत्र चाहिए. यह आश्चर्यजनक है कि आधार, पैन और चुनाव आयोग के फोटो प्रमाणपत्र नागरिकता के प्रभावी सबूत नहीं हैं. ऐसा क्यों है, इसका कोई सुसंगत जवाब नहीं दिया गया है. आयोग को याद दिलाने की जरूरत है कि सिर्फ 2.5 फीसदी भारतीयों के पास पासपोर्ट और मात्र 14.71 प्रतिशत भारतीयों के पास मैट्रिक के प्रमाणपत्र हैं. यह अनुमान लगाना कठिन है कि कितने भारतीयों के पास जन्म प्रमाणपत्र होगा. अदालत में चुनाव आयोग द्वारा पेश आंकड़ा भी बताता है कि ज्यादातर भारतीयों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं. आधार पर सरकार ने 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये खर्च किये. दावा किया गया कि बैंक खाता खोलने, टैक्स चुकाने, संपत्ति के लेन–देन और हवाई अड्डे जैसी संवेदनशील जगहों पर प्रवेश में यह दस्तावेज काम आयेगा. कार खरीदने, घर किराये पर लेने और टैक्स फाइल करने के लिए तो यह अनिवार्य है, पर इससे नागरिकता साबित नहीं होती. चुनाव आयोग कहता है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आधार पर्याप्त नहीं. जिस सरकार ने आधार को हमारे अस्तित्व का सबसे बड़ा प्रमाण बताया था, वही अब कंधे उचका कर कहती है, 'सॉरी, यह नागरिकता साबित करने के लिए नहीं है.' चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचानपत्र दशकों से मतदान करने का सबूत माना जाता रहा है, पर अब आयोग को अपनी ही मतदाता सूची गड़बड़ लग रही है, क्योंकि इसमें अवैध रूप से आये घुसपैठियों के नाम भी हैं. सुरक्षित नागरिकता प्रमाणपत्र की दिशा में अब तक ठोस पहल क्यों नहीं की गयी, जैसे अमेरिका में सोशल सिक्योरिटी नंबर या ब्रिटेन में नेशनल इंश्योरेंस नंबर है? बॉम्बे हाइकोर्ट के फैसले पर एडवोकेट सौरव अग्रवाल की टिप्पणी बेधक है, 'सरकार और न्यायपालिका के लिए नागरिकता के प्रमाण से जुड़े दस्तावेज मुहैया कराने का समय आ गया है. यह आश्चर्यजनक है कि आध ाार का औचित्य ठहराने के लिए सरकार को सुप्रीम कोर्ट में इतनी कवायद करनी पड़ी और लोगों की निजता के अधिकार का हनन करने के बाद आधार को अब कागज का एक टुकड़ा बताया जा रहा है.' जाहिर है, देश को यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड चाहिए. ऐसा कार्ड, जो पहचान के साथ–साथ नागरिकता और वोट देने का भी प्रमाणपत्र हो. देश के 95 करोड़ मतदाताओं की पहचान संदिग्ध होना अस्वीकार्य है. आजादी के 78 साल बाद भारत अपने नागरिकों को परिभाषित करने की कोशिश में लगा है. यह हास्यास्पद ही नहीं, लोकतांत्रिक अपमान भी है. क्या मैं एक भारतीय नागरिक हूं? मेरे पास आधार, पैन और वोटर आइडी कार्ड हैं, लेकिन चूंकि मैं इस देश की मौजूदा सरहद से बाहर वहां पैदा हुआ, जिसे पाकिस्तान कहते हैं और चूंकि मेरे माता–पिता के दस्तावेज समय के साथ नष्ट हो गये, इसलिए जब तक मैं पर्याप्त सबूत न दिखाऊं, अदालतें मुझे नाम और देशविहीन ही मानेंगी. यह सिर्फ मेरा बोझ नहीं है– यह एक सामूहिक बीमारी है. यह एक ऐसी कागजी कार्यवाही है, जिसका कोई प्रयोजन नहीं है, नौकरशाही ऐसी है, जिसमें करुणा नहीं है. ऐसे में, पहचान पूछताछ में बदल गयी है. सरकार को खामोशी तोड़ते हुए संदेह के माहौल को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहिए. उसे एक ऐसा संप्रभु कार्ड तैयार करना चाहिए, जो नागरिकता का प्रमाण हो. ऐसे में, इस देश के करोड़ों भारतीय अपने पहचानपत्रों को तब तक जकड़े रखेंगे, जब तक उन्हें यह न कहा जाए कि ये प्लास्टिक के टुकड़ों के अलावा कुछ नहीं हैं. कौन भारतीय है, आजादी के 78 वर्ष बाद भी इसका जवाब हवा में है. जाहिर है, सबसे निर्मम सच हमारे सामने है. फिलहाल तो मैं मतदाता हूं. लेकिन भविष्य के बारे में भला क्या कह सकता हूं?

अमेरिका से तनाव के बीच रूस में जयशंकर, सहयोग को भारत और कर रहा है मजबूत

अमेरिका से तनाव के बीच रूस के साथ अपने सहयोग को भारत और मजबूत कर रहा है, इसका पता विदेश मंत्री एस जयशंकर की रूस यात्रा से चलता है. जयशंकर ने मास्को में आयोजित भारत–रूस बिजनेस फोरम में रूसी कंपनियों से भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करने के लिए कहा है. उनका कहना था कि भारत एक बड़ा बाजार है, जहां रूसी कंपनियों के लिए बड़े अवसर हैं. 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रूसी कंपनियों के लिए सुनहरा अवसर है. रूस से तेल की खरीद पर अमेरिकी धमकियों के बीच विदेश मंत्री की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है. हालांकि जयशंकर ने भारत–रूस के बीच बढ़ते कारोबार के साथ–साथ व्यापार असंतुलन की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा है कि अब हमें द्विपक्षीय व्यापार को विविधतापूर्ण और संतुलित करने के लिए और जोरदार प्रयास करने होंगे. यह न केवल ऊंचे व्यापारिक लक्ष्यों के लिए जरूरी है, बल्कि मौजूदा स्तर को बनाये रखने के लिए भी आवश्यक है. दूसरी ओर, रूसी उपराजदूत की यह टिप्पणी भी बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत को अगर अमेरिकी बाजार में अपना माल बेचने में परेशानी हो रही है, तो रूस का दरवाजा खुला है. हम भारतीय निर्यात के स्वागत के लिए तैयार हैं. जाहिर है कि यह अमेरिका को ठोस संदेश है. यह पहले से ही स्पष्ट है कि अमेरिकी टैरिफ के दबाव का रूस से भारत की तेल खरीद पर कोई असर नहीं पड़ा है. रूस के उपराजदूत ने भारतीय तेल खरीद नीति पर अमेरिकी दबाव को अन्यायपूर्ण बताया है. साथ ही, रूस की तरफ से यह खुलासा भी किया गया है कि वह भारत को पांच प्रतिशत डिस्काउंट पर कच्चा तेल बेच रहा है. रूस के प्रमुख विद्वानों और थिंकटैंक प्रतिनिधियों के साथ जयशंकर की वार्ता के दौरान भारत–रूस संबंध तथा बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य और भारत के दृष्टिकोण पर विस्तृत चर्चा हुई. रूस के विदेश मंत्री के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयशंकर ने भारत को रूसी तेल की खरीद के लिए दंडित करने के अमेरिकी फैसले पर आश्चर्य जताया. उन्होंने कहा कि रूस से सबसे ज्यादा तेल चीन खरीदता है, भारत नहीं. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के बड़े द्विपक्षीय संबंधों में भारत–रूस दोस्ती सबसे विश्वसनीय है. कुल मिलाकर, विदेश मंत्री की रूस यात्रा वैश्विक उथल–पुथल के बीच भारत–रूस मैत्री का ठोस संदेश है.

.... विविध ....

निया शर्मा कैसे करती हैं डार्क सर्कल्स का इलाज

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस निया शर्मा सिर्फ अपने स्टाइल और एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी स्किन केयर रूटीन के लिए भी चर्चा में रहती हैं। खासकर आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को लेकर वे कोई लापरवाही नहीं बरततीं। निया महंगी क्रीम्स से ज्यादा भरोसा घरेलू नुस्खों पर करती हैं और खुद से बनाए गए फेस पैक से स्किन का खास ख्याल रखती हैं। अगर आप भी डार्क सर्कल्स से परेशान हैं तो निया शर्मा का ये सिंपल घरेलू नुस्खा ट्राई कर सकते हैं।

निया शर्मा का खास फेस पैक (क्ंता बपतबसमे के लिए)

टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाने के लिए एक बेहद असरदार और घरेलू फेस पैक का इस्तेमाल करती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए वह कुछ सरल और आसानी से उपलब्ध चीजों का इस्तेमाल करती हैं।

इस फेस पैक में कॉफी पाउडर शामिल है, जो स्किन को टाइट करता है और आंखों के नीचे की सूजन को कम करता है। इसमें मौजूद कैफीन ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में मदद करता है जिससे डार्क सर्कल्स धीरे–धीरे हल्के पड़ने लगते हैं। बेसन इस पैक का दूसरा मुख्य घटक है। यह डेड स्किन हटाने में मदद करता है और चेहरे को निखारता है। बेसन स्किन को एक्सफोलिएट करता है जिससे त्वचा साफ और चमकदार नजर आती है।

चावल का पानी इस पैक में स्किन को ग्लोइंग और टोन करने का काम करता है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स त्वचा को पोषण देते हैं और टाइट बनाते हैं। हल्दी एक प्राकृतिक एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–बैक्टीरियल एजेंट है। यह त्वचा की सूजन कम करता है, दाग–धब्बों को हल्का करता है और स्किन को एक हेल्दी लुक देता है। शहद इस फेस पैक को मॉइश्चराइजिंग गुण देता है। यह स्किन को सॉफ्ट बनाता है और रूखापन दूर करता है, जिससे स्किन हेल्दी और हाइड्रेटेड रहती है।

कैसे लगाएं?

इन सभी सामग्री को एक कटोरी में अच्छे से मिलाकर एक स्मूद पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को आंखों के नीचे के हिस्से सहित पूरे चेहरे पर लगाएं। इसे 10 से 15 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 1 से 2 बार किया जा सकता है।

खीरे के स्लाइस या रस आंखों पर रखने से बहुत अच्छा ठंडक मिलता है। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और हाई वॉटर कंटेंट डार्क सर्कल्स को धीरे–धीरे कम करने में मदद करते हैं। आलू का रस भी डार्क सर्कल्स पर कमाल का असर करता है। कच्चे आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकालें और फिर इसे रूई की मदद से आंखों के चारों ओर लगाएं। लगभग 15 से 20 मिनट के बाद ठंडे पानी से धो लें। एलोवेरा जेल स्किन को सूदिंग इफेक्ट देता है। यह स्किन की ड्राइनेस को दूर करता है और डार्क सर्कल्स के असर को हल्का करने में मदद करता है। टमाटर का रस एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है और स्किन को रिपेयर करता है। इसे डार्क सर्कल्स पर लगाने से स्किन का रंगत हल्का होता है और काले घेरे कम दिखते हैं।

अगर आप भी रोज ठुस–ठुस कर खाते हैं रोटियां तो,एक दिन में खाने की सही मात्रा

दुनिया के ज्यादातर लोगों की रोज की जिंदगी रोटी और चावल पर ही टिकी होती है। भारत में तो रोटी सिर्फ भोजन ही नहीं बल्कि एक आदत और परंपरा भी है। चाहे तवा रोटी हो, तंदूरी, रूमाली, खमीरी या शीरमाल। हर घर में किसी न किसी रूप में रोटी जरूर मिलती है। लेकिन सवाल यह है कि आखिरकार इंसान को एक दिन में कितनी रोटियां खानी चाहिए।

रोटी की मात्रा कैसे तय होती है?

हर इंसान की जरूरत अलग होती है, इसलिए रोटी खाने की संख्या भी एक जैसी नहीं हो सकती। यह आपकी उम्र, सेहत, लाइफस्टाइल, आमदनी और शारीरिक गतिविधियों पर निर्भर करती है। जैसे, जवान और एक्टिव लोग बुजुर्गों से ज्यादा रोटियां खा सकते हैं, वहीं मेहनत करने वाले लोगों को ऑफिस में बैठकर काम करने वालों की तुलना में अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। अगर किसी को डायबिटीज, मोटापा या पाचन संबंधी बीमारी है, तो उनकी रोटी की मात्रा कम रखनी चाहिए। इसलिए यह कहना सही होगा कि रोटी की मात्रा हर व्यक्ति के शरीर और जीवनशैली के हिसाब से तय करनी चाहिए।

पुरुषों और महिलाओं के लिए रोटी की सही संख्या

पुरुषों और महिलाओं की ऊर्जा की जरूरत अलग होती है, इसलिए उनकी रोटी की मात्रा भी अलग मानी जाती है। एक स्वस्थ और सामान्य पुरुष को दिनभर में लगभग 6 से 8 रोटियां खाना सही माना जाता है, जबकि जो लोग ज्यादा शारीरिक मेहनत करते हैं, वे 8 से 10 रोटियां भी खा सकते हैं। वहीं महिलाओं के लिए रोजाना 4 से 6 रोटियां पर्याप्त होती हैं, लेकिन गर्भावस्था या स्तनपान के दौरान उनकी जरूरत बढ़ सकती है और डॉक्टर की सलाह से यह मात्रा 6 से 7 रोटियों तक हो सकती है।

वजन घटाने वालों के लिए रोटी की मात्रा

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो रोटियों की संख्या और भी सीमित करनी पड़ती है। ऐसे लोगों को दिनभर में अधिकतम 3 से 4 रोटियां ही खानी चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि रोटी के साथ पर्याप्त मात्रा में सलाद, हरी सब्जियां और प्रोटीन भी लें, ताकि पेट भरा रहे और कैलोरी ज्यादा न बढ़े। सफेद आटे की बजाय मल्टीग्रेन या बाजरे–ज्वार की रोटियां वजन घटाने में ज्यादा फायदेमंद मानी जाती हैं।

आटे का चुनाव भी जरूरी

रोटी कितनी खाई जाए यह तो अहम है ही, लेकिन किस आटे की रोटी खाई जा रही है यह भी उतना ही जरूरी है। अगर आप सिर्फ गेहूं का आटा खाते हैं तो उसमें फाइबर कम होता है और लंबे समय तक यह सेहत के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता। इसके बजाय मल्टीग्रेन आटा, जिसमें गेहूं, जौ, ज्वार, बाजरा, रागी और ओट्स जैसे अनाज मिलाए गए हों, ज्यादा फायदेमंद होता है। ऐसे आटे की रोटियां न सिर्फ स्वादिष्ट होती हैं बल्कि इनमें फाइबर, प्रोटीन और मिनरल्स भी ज्यादा होते हैं। जिन लोगों की आमदनी अच्छी है, वे आसानी से इन हेल्दी विकल्पों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। रोटी हमारे रोजमर्रा के खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन इसकी मात्रा हर व्यक्ति के लिए अलग होती है। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ वयस्क के लिए 5 से 7 रोटियां सही मानी जाती हैं। पुरुषों और महिलाओं के लिए यह संख्या अलग होती है और वजन कम करने या बीमारियों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह से इसे और सीमित किया जा सकता है। रोटी के साथ हमेशा दाल, सब्जियां, फल और प्रोटीन जैसी संतुलित चीजें शामिल करें ताकि आपकी डाइट पूरी तरह से सेहतमंद और पोषण से भरपूर बनी रहे।

पीरियड्स रोकने की दवा से हो सकती है मौत

आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में कई बार लड़कियां या महिलाएं किसी शादी, ट्रैवल या एग्जाम जैसे मौके पर पीरियड्स को टालने के लिए दवाओं का सहारा लेती हैं। ये गोलियां भले ही राहत का विकल्प लगें, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका बिना डॉक्टर की सलाह के सेवन जानलेवा भी हो सकता है? हाल ही में एक 18 साल की लड़की की मौत ने इस खतरे को लेकर सभी को चौंका दिया है। आइए जानते हैं क्या हुआ, और डॉक्टर इस बारे में क्या कहते हैं।

क्या हुआ उस 18 साल की लड़की के साथ?

कुछ दिनों पहले, एक 18 वर्षीय लड़की ने एक पारिवारिक कार्यक्रम के चलते अपने पीरियड्स को रोकने के लिए हार्मोनल पिलली थी। कुछ ही समय बाद, उसे पेट और पैरों में अजीब दर्द महसूस हुआ। जब जांच करवाई गई, तो पता चला कि उसे हो गया है।

एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर की गहरी नसों में खून का थक्का जम जाता है। डॉक्टरों ने बताया कि खून का यह थक्का उसके पेट तक पहुंच गया था और स्थिति गंभीर हो चुकी थी। हालांकि डॉक्टरों ने तुरंत अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन लड़की के पिता ने मना कर दिया। दुर्भाग्य से, रात में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

डीवीडी क्या होता है और ये इतना खतरनाक क्यों है?

डीवीडी में शरीर के अंदर नसों में खून का थक्का जमने लगता है। आमतौर पर यह थक्का पैरों या जांघों में बनता है, लेकिन कई बार यह खून के बहाव के साथ लिवर, हार्ट या फेफड़ों तक पहुंच सकता है। अगर यह थक्का जरूरी अंगों तक पहुंच जाए, तो कुछ ही मिनटों में व्यक्ति की जान जा सकती है। कई बार यह बीमारी बिना किसी लक्षण के भी होती है, जिससे लोग समय पर पहचान नहीं पाते।

डॉक्टरों की चेतावनी ये दवाएं मजाक नहीं हैं

हार्मोनल दवाएं शरीर में तेज बदलाव करती हैं। इनसे खून गाढ़ा हो सकता है, जिससे नसों में थक्के बनने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने कहा ष्लोग सोचते हैं कि पीरियड्स को टालना आसान है, लेकिन ये गोलियां शरीर पर गहरा असर छोड़ती हैं। बिना डॉक्टर की सलाह इन्हें लेना मौत को दावत देने जैसा हो सकता है।ष

बिना सलाह दवा लेना क्यों है खतरनाक?

हर लड़की और महिला का शरीर अलग होता है। किसी का हार्मोनल संतुलन पहले से ही कमजोर हो सकता है, किसी को ब्लड क्लॉटिंग की फैमिली हिस्ट्री हो सकती है। ऐसे में एक ही दवा सबके लिए सुरक्षित नहीं होती। इसलिए डॉक्टर कहते हैं"अगर कभी मजबूरी में पीरियड्स रोकने की जरूरत हो, तो स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लेकर ही दवा लें। खुद से लेने पर यह जानलेवा साबित हो सकती है।" स्वास्थ्य के साथ समझौता न करें

पीरियड्स को टालना कभी–कभी जरूरी हो सकता है, लेकिन इसकी कीमत आपकी सेहत या जान न बन जाए, इसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आपको ऐसी किसी दवा की जरूरत महसूस हो रही है, तो सबसे पहले किसी योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लें। अपने शरीर को जानें, अपनी सेहत को समझें और कभी भी किसी टीवी ऐड या दोस्त की सलाह पर दवा न लें।

सहकारिता समितियों में डिजिटल क्रांति : एमपैक्स में क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रणाली शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक और डिजिटल स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में आज सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने प्रदेश की एमपैक्स में क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रणाली का शुभारंभ किया और सभी प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों के लिए ऑनलाइन भुगतान हेतु क्यूआर कोड जारी किए।राठौर ने कहा कि इस व्यवस्था से किसानों और उपभोक्ताओं को नगद लेन–देन की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित व सुगम बनेगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया अभियान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सहकारिता के आधुनिकीकरण की संकल्पना की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया।सहकारिता मंत्री ने बताया कि किसानों की लंबे समय से ऑनलाइन भुगतान की मांग थी। अब इस सुविधा से ओवर रेटिंग की समस्या खत्म होगी और खाद वितरण व्यवस्था और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने कहा कि इस समय प्रदेश में यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता है। एक बोरी यूरिया की कीमत 266.50 रुपये तथा डीएपी की कीमत 1,350 रुपये तय है। इस वर्ष सहकारी समितियों के माध्यम से 10 लाख 40 हजार मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह मात्रा 7 लाख 42 हजार मीट्रिक टन थी। यानी इस बार लगभग 40 प्रतिशत अधिक खाद वितरित हुई है। अब तक 35 लाख 58 हजार किसानों को सहकारी समितियों से खाद उपलब्ध कराई जा चुकी है।उन्होंने बताया कि प्रदेश की 6,861 प्राथमिक सहकारी समितियाँ अब उर्वरक वितरण का कार्य कर रही हैं, जबकि पहले केवल 1,400 समितियाँ ही सक्रिय थीं। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशन में बंद पड़ी समितियों को पुनर्जीवित किया गया है। प्रत्येक समिति को कार्य–व्यवसाय हेतु 10 लाख रुपये और भवन व गोदामों की मरम्मत के लिए भी 10 लाख रुपये की धनराशि दी गई है। अब तक 980 समितियों की मरम्मत और 375 समितियों में नए गोदामों का निर्माण हो चुका है।राठौर ने बताया कि समितियों में आधुनिकरण के लिए कम्प्यूटर, प्रिंटर, एलईडी और बिजली न होने की स्थिति में 2 किलोवॉट सोलर रूफटॉप पैनल लगाए जा रहे हैं। समितियों की कार्यशील पूंजी को भी सुदृढ़ किया गया है और कैश क्रेडिट लिमिट को 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने की तैयारी है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे आवश्यकता के अनुसार ही खाद लें और अनावश्यक भंडारण न करें।कार्यक्रम में बी–पैक्स उस्मानपुर, इब्राहीमाबाद (बाराबंकी), रूदानखेड़ा, अनौरा कला, नगराम दक्षिण (लखनऊ) की समितियों के सचिवों को क्यूआर कोड प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सहकारिता सौरभ बाबू, आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार, प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक आरके कुलश्रेष्ठ सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

40वें आयटो वार्षिक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश पर्यटन मंडप बना आकर्षण का केंद्र

लखनऊ, (संवाददाता)। ओडिशा के पुरी में 22 से 25 अगस्त 2025 तक आयोजित 40वें इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आयटो) वार्षिक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश पर्यटन मंडप ने उपस्थित प्रतिनिधियों का ध्यान खींचा। सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में किया, जबकि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के स्टॉल का उद्घाटन ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रावती परिदा ने किया।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदेश के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन आकर्षणों को प्रदर्शित किया गया। यूपी पर्यटन स्टॉल पर इत्र नगरी कन्नौज, स्पिरिचुअल ट्रायंगल (अयोध्या–काशी–प्रयागराज), दीपोत्सव और रंगोत्सव सहित भव्य वार्षिक आयोजनों की झलक पेश की गई। सम्मेलन में देशभर से 1,000 से अधिक प्रतिनिधि, टूर ऑपरेटर, होटल व्यवसायी और ट्रैवल मीडिया शामिल हुए।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि आयटो सम्मेलन उत्तर प्रदेश के पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस मंच पर पर्यटन उद्योग के पेशेवर और सरकारी हितधारक मिलकर इनबाउंड टूरिज्म के भविष्य और निवेश, नवाचार तथा तकनीकी सहयोग के अवसरों पर चर्चा कर रहे हैं।सम्मेलन के पहले दिन उत्तर प्रदेश पर्यटन मंडप आगंतुकों के लिए मुख्य आकर्षण बना। प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से इत्र पर्यटन में रुचि दिखाई और कन्नौज की सदियों पुरानी अत्तर निर्माण परंपरा को अनुभवात्मक उत्पाद के रूप में देखा। इसके अलावा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नेटवर्किंग सत्रों में अयोध्या के राम मंदिर सर्किट, वाराणसी के रिवर फ्रंट और दुधवा व बुंदेलखंड में इको–टूरिज्म से जुड़ी संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि आयटो के माध्यम से राज्य सरकार देश के अग्रणी टूर ऑपरेटरों और उद्योग जगत के नेताओं से सीधे संवाद कर रही है। यह केवल धरोहर और स्मारकों के प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पर्यटन अवसंरचना का विस्तार, निजी निवेश को आकर्षित करना और अनुभवों का विविधीकरण भी शामिल है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन, इको–टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन, एग्री टूरिज्म, इत्र पर्यटन और एडवेंचर टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं, जो देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।सम्मेलन में पर्यटन महानिदेशक एवं अतिरिक्त सचिव भारत सरकार सुमन बिल्ला, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की चेयरमैन नीलू शर्मा और उत्तर प्रदेश पर्यटन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सजाया गया घर... बन गई नई सड़क, बहन और पिता ने जताई खुशी

लखनऊ, (संवाददाता)। मिशन के ग्रुप कैप्टन एवं अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला सोमवार यानी 25 अगस्त को लखनऊ पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर राजधानी में तैयारियां की जा रही हैं। बड़े ही धूमधाम से उनका स्वागत किया जाएगा। इस दौरान छह मार्गों पर रूट डायवर्जन रहेगा। उनके आने से पहले त्रिवेणी नगर स्थित उनके अवास के सामने सीमेंटेड सड़क बना दी गई है। उनका पूरा घर सजाया गया है। पिता शंभू दयाल मिश्रा, मां और बहन सुची मिश्रा ने अमर उजाला से बातचीत में बेटे की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बेटे के स्वागत के लिए की गई तैयारियों के बारे में जानकारी साझा की। बहन ने कहा कि वह भाई को राखी बांधकर उनका स्वागत करेंगी। शुभांशु शुक्ला के नाम पर सड़क का नाम रखने का एलान वहीं पड़ोसी ने बताया कि शुभांशु आसमान में चमकता ध्रुव तारा है। बचपन में उन्हें कुत्तों से खास लगाव था। वह डॉगी के साथ खेलते रहते थे। बताते चलें कि इस मौके पर शुभांशु का घर बंदनवार से सजाया गया है। सरकार की तरफ से जहां उनका आवास है, त्रिवेणी नगर की एक रोड शुभांशु शुक्ला के नाम पर रखने का एलान किया गया है। हालांकि, तीन दिन के लखनऊ प्रवास में शुभांशु विशेष सुरक्षा में नैमिष गेस्ट हाउस में ही रुकेंगे। वह घर आएंगे या नहीं यह अभी साफ नहीं है।

लखनऊ में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की चिंतन बैठक देश की शिक्षा को नया विकल्प देने का प्रयास

लखनऊ, (संवाददाता)। देश की शिक्षा को भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के उद्देश्य से आज शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, अवध प्रांत के तत्वावधान में लखनऊ के रघुवर भवन में "विकसित भारत हेतु शिक्षा" विषय पर चिंतन बैठक और विमर्श आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के कार्यान्वयन, वैदिक गणित, पर्यावरण शिक्षा, पंच कोष आधारित चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास जैसे न्यास के उद्देश्यों पर चर्चा करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा सदस्य विधान परिषद् इंजी अवनीश सिंह थे, जबकि अध्यक्षता माननीय राष्ट्रीय सह संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली श्री संजय स्वामी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, ध्कार के सामूहिक वाचन और बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत ईश्वर वंदना से हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रांत संयोजक प्रचार प्रसार दीप नारायण पांडेय ने किया।अवध प्रांत संयोजक प्रमिल द्विवेदी ने अपने स्वागत संबोधन में न्यास की स्थापना, उद्देश्यों और देश की शिक्षा में सुधार हेतु न्यास द्वारा अब तक किए गए प्रयासों का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि न्यास ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित 400 से अधिक संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और परिचर्चाओं का आयोजन किया है और शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रयास जारी हैं।मुख्य अतिथि इंजी अवनीश सिंह ने न्यास द्वारा शिक्षा में भारतीयता के समावेश और विकसित भारत में शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है और इसके लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है।

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देकर रोजगार और गुणवत्ता सुनिश्चित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मा0 उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग ग्रामीण राजमिस्त्रियों को कुशल, दक्ष और हुनरमंद बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है। इस पहल से न केवल मिस्त्रियों के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के तहत बन रहे आवासों की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।ग्राम्य विकास विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त पुरुष और महिला मिस्त्री सर्टिफिकेशन के बाद बड़े निर्माण परियोजनाओं एवं निर्माण एजेंसियों में कार्य कर बेहतर मजदूरी प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना में अब महिलाओं को भी शामिल किया गया है। रानी मिस्त्रियों का प्रशिक्षण महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।ग्राम्य विकास विभाग उन व्यक्तियों को चिन्हित कर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, जो राजमिस्त्री का कार्य सीखना चाहते हैं। पहले से कार्यरत मिस्त्रियों को 15 दिन और नए प्रशिक्षुओं को 45 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के ग्रामीण राजमिस्त्री अर्हता पैक (फ.च) के अनुसार संचालित किया जा रहा है।आयुक्त ग्राम्य विकास श्री जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 45 हजार पुरुष और 7,017 महिला मिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत 36.56 लाख आवास आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 36.34 लाख पूर्ण हो चुके हैं। इस प्रकार पूर्णता की स्थिति लगभग 99.39 प्रतिशत है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल मिस्त्रियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी, निर्माण कार्यों में तेजी आएगी और ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस पहल से न केवल आवासों की गुणवत्ता बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण परिवारों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान में भी मदद मिली है।

संक्षिप्त खबरें

ओडिशा में फैली कन्नौज के इत्र की खुशबू, आयटो सम्मेलन में अयोध्या के दीपोत्सव का भी किया गया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आयटो) का 40वां वार्षिक सम्मेलन ओडिशा के पुरी में 22 से 25 अगस्त तक आयोजित हो रहा है। इसमें पर्यटन विभाग के स्टॉल पर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, इत्र नगरी कन्नौज, आध्यात्मिक त्रिकोण (अयोध्या–काशी–प्रयागराज) और अयोध्या के दीपोत्सव का प्रदर्शन किया गया है। यह पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। सम्मेलन में पर्यटन विभाग के स्टॉल का उद्घाटन ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने किया। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सम्मेलन में देश भर से आए प्रतिनिधि, टूर ऑपरेटर, होटल व्यवसायी और ट्रेवल मीडिया के प्रतिनिधि कन्नौज के इत्र में काफी रुचि ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे यूपी आकर इसके बारे में विस्तार से जानकारी लेंगे। मंत्री ने बताया कि प्रदेश पर्यटन को इस मंच से राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। यहां पर्यटन उद्योग के पेशेवरों और सरकारी हितधारकों की भागीदारी के साथ भविष्य पर विचार–विमर्श होगा। इस दौरान पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेश, नवाचार और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा कर रहे हैं। सम्मेलन में प्रदेश पर्यटन के अधिकारियों ने अयोध्या के राम मंदिर सर्किट, वाराणसी रिवर फ्रंट और दुधवा व बुंदेलखंड में ईको–टूरिज्म से जुड़ी संभावनाओं की जानकारी दी। पर्यटन व संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शाम को की जा रही है। इस अवसर पर पर्यटन महानिदेशक व अतिरिक्त सचिव केंद्र सरकार सुमन बिल्ला, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की चेयरमैन नीलू शर्मा तथा उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जानकीपुरम में फैला डायरिया, ट्रामा सेंटर में भर्ती किए गए मरीज

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में जानकीपुरम के सेक्टर–7 में डायरिया फैला है। यहां घरों में गंदा पानी आ रहा है। हर दूसरे घर में मरीज है। रविवार को यहां स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें लोगों की सेहत की जांच की गई। बीमारों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। साथ ही क्षेत्र में साफ–सफाई कराई गई है। बताते चलें कि एक दिन पहले शनिवार को यहां डायरिया से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। इससे लोगों में आक्रोश था। इसको देखते हुए रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र में पहुंची। शिविर में लोगों की जांच करके उचित सलाह दी। साथ ही नगर निगम ने सफाई कर्मियों को भेजकर मृतक के घर के आसपास, पार्क व सड़कों के किनारे जमा गंदगी साफ कराई।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग की ''प्रतिनिधि चिंतन कार्यशाला'' में अधिवक्ताओं ने लिया न्याय दिलाने का संकल्प

लखनऊ, (संवाददाता)। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय ''विधि विभाग प्रतिनिधि चिंतन कार्यशाला'' का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी श्री अविनाश पाण्डेय थे, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने इसका सफल नेतृत्व किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव, विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग, एडवोकेट मो. अली खान भी उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन प्रदेश प्रवक्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट प्रदीप सिंह ने किया।कार्यशाला में संबोधन करते हुए राष्ट्रीय महासचिव श्री अविनाश पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश ने हमेशा देश का नेतृत्व किया है और अधिवक्ताओं ने प्रदेश के संसदीय एवं विधानसभा चुनावों में सक्रिय योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 को संगठन सृजन का वर्ष घोषित किया गया है और विधि विभाग के माध्यम से न्याय और नेतृत्व के क्षेत्र में संगठन को मजबूती प्रदान की जाएगी।उन्होंने कहा कि संगठन सृजन के तहत जिला, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर तक संगठन का निर्माण किया जाएगा। 1 से 30 सितंबर 2025 तक प्रत्येक जिले में 5 अधिवक्ताओं की रैपिड एक्शन टीम का गठन किया जाएगा, जो गरीब और विशेष समुदायों को न्याय दिलाने, वोटर सूची की देख–रेख करने और अत्याचार व वोट चोरी के मामलों में सक्रिय भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में पूरे प्रदेश में बड़े प्रतिनिधि सम्मेलन एवं रणनीति बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें 8,370 अधिवक्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय ने कहा कि इस दौर में अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के खिलाफ कई मुकदमे लगाए जा रहे हैं, लेकिन अधिवक्ताओं के समर्थन से संगठन मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की विफल नीतियों के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए अधिवक्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी और जनता को जागरूक करना होगा।आरटीआई के राष्ट्रीय सचिव मो. अली खान ने कहा कि देश का माहौल बदल रहा है और विपक्ष के साथ खड़े रहना अब और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। अधिवक्ताओं की समझ और सक्रियता से जनता के बीच अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता बढ़ेगी।कार्यशाला में प्रदेश भर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में शामिल हजारों अधिवक्ताओं ने न्याय दिलाने और आम जनता के हितों के लिए सक्रिय रहने का संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के कोऑर्डिनेटर एडवोकेट आसिफ रिजवी ने बताया कि तहसील स्तर तक अधिवक्ताओं की टीम शीघ्र ही गठित कर दी जाएगी और शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जाएगा।कार्यशाला में शैलेष त्रिपाठी, अभिषेक यादव, अमानुर्रहमान, अनस खान, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, अम्बरीश सिंह गौर, सतीश शुक्ला–उन्नाव, रमाकांत मिश्रा–कानपुर, शीला मिश्रा, कादम्बिनी लाल, विनीता पाण्डेय सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने भाग लिया।

केमिकल रिएक्शन से फैक्टरी में काम कर रहे दो मजदूर बेहोश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को शाम करीब 5.00 बजे बिजनौर के मुल्लाही खेड़ा स्थित सॉस फैक्टरी में काम कर रहे दो मजदूर केमिकल रिएक्शन से बेहोश हो गए। मजदूर उन्नाव के सोहरामऊ निवासी बबलू (35) और किशन (32) हैं। पुलिस ने साथी मजदूरों की सहायता से दोनों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। वहां उनकी हालत गंभीर है। कृष्णानगर के एलडीए कॉलोनी निवासी अंकुर सडाना की मुल्लाही खेड़ा में फैक्टरी है। फैक्टरी में टोमैटो, चिली और सोया सॉस बनाया जाता है। शनिवार की शाम मजदूर टैंक की पुताई कर रहे थे। तभी सॉस में मिलाने वाले केमिकल रिएक्शन से बबलू और किशन अचानक बेहोश होकर गिर गए। साथी मजदूर फैक्टरी में ताला लगाकर भाग निकले मजदूरों ने घटना की जानकारी फैक्टरी मालिक को दी। फैक्टरी मालिक ने पुलिस के साथ दोनों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं साथी मजदूर फैक्टरी में ताला लगाकर भाग निकले।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मिली फ्री बस यात्रा की सौगात, परिवहन निगम ने बनाया रिकॉर्ड

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत वर्षों की भांति इस बार भी रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई। इस वर्ष यह सुविधा रिकॉर्ड 66 घंटे तक दी गई, जिसमें महिलाओं के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त यात्रा करने का अवसर मिला। प्रदेश सरकार की यह पहल महिलाओं, बहनों और बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक अत्यंत सराहनीय कदम साबित हुई।उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने इस अवसर पर कीर्तिमान स्थापित करते हुए बताया कि निगम की बसों से इस बार लगभग 63 लाख महिलाओं और 15 लाख सहयात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। निगम ने लाखों बहनों को उनके भाइयों और परिवार तक सुरक्षित पहुंचाने का दायित्व बखूबी निभाया और रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को सफल बनाने में अपनी पूरी भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम न केवल महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को नई दिशा देता है बल्कि समाज में सरकार की जनहितकारी सोच का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की, जिन्होंने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ रक्षाबंधन पर बसों का संचालन किया।रक्षाबंधन पर्व के दौरान परिवहन निगम ने प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों में कुल 11,813 बसों का संचालन किया। निगम ने बड़ी संख्या में बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कर महिलाओं और उनके परिजनों को निर्बाध यात्रा की सुविधा दी। इस व्यापक प्रबंधन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बहन अपने भाइयों तक राखी बांधने से वंचित न रहे।गौरतलब है कि वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार रक्षाबंधन पर महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई थी। 24 घंटे तक लागू इस सुविधा की शुरुआत के साथ ही उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना। तब से अब तक यह परंपरा लगातार जारी है और समय के साथ इसमें विस्तार भी किया गया है। यही कारण है कि पिछले नौ वर्षों में इस सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है।वर्ष 2017 में 11 लाख 16 हजार से अधिक महिलाओं ने इस योजना का लाभ उठाया था।

उत्तर प्रदेश राजकीय पुरातत्व विभाग ने मौद्रिक इतिहास पर व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजकीय पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित पुरातत्त्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के चौथे दिन दो सत्रों में मौद्रिक विकास पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने "भारतीय मौद्रिक विकास की यात्रारू प्रारंभ से गुप्त काल तक" और "गुप्तोत्तर काल से 12वीं शताब्दी ई. तक" विषयों पर पीपीटी के माध्यम से विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए।डॉ. उपाध्याय ने बताया कि मुद्राएँ केवल लेन–देन का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, कला, संस्कृति और आर्थिक स्थिति की झलक भी हैं। उन्होंने पंचमार्क सिक्कों से लेकर गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्राओं तक की ऐतिहासिक यात्रा का चित्रण किया और सिक्कों पर अंकित प्रतीकों, लिपियों तथा कलात्मक आकृतियों की पुरातात्त्विक महत्ता और निर्माण तकनीकों के विकास पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही सिक्कों के संरक्षण, नकली सिक्कों की समस्या, धातुओं की पहचान, कैटलॉगिंग और डिजिटल इमेजिंग, 3डी स्कैनिंग तथा धातु विश्लेषण जैसी नवीन तकनीकों की जानकारी भी प्रतिभागियों के साथ साझा की।कार्यक्रम में समाज कल्याण निदेशक श्रीमती रेनू द्विवेदी ने डॉ. अमित उपाध्याय का पौधा और स्मृति–चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन सहायक श्री बलिहारी सेठ ने किया। इस अवसर पर लगभग 200 प्रतिभागियों सहित पुरातत्व निदेशालय के श्री अभयराज सिंह, संतोष कुमार सिंह, अकील खान, आशीष कुमार, विभा, हिमांशु, मयंक और अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

पत्नी को गोली मारने के आरोपी पति पर केस

लखनऊ, (संवाददाता)। कैसरबाग में जंबूर खाना निवासी राशिदा बानो (30) को शुक्रवार शाम गोली मारने के आरोपी पति इस्लाम के खिलाफ पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने यह कार्रवाई राशिदा की तहरीर पर की है। इंस्पेक्टर अंजनी मिश्र के मुताबिक पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। राशिदा का आरोप है कि रुपये के लिए हुई कहासुनी पर इस्लाम ने दो गोली मारी थी। एक गोली उनकी पीठ से छूकर गुजर गई थी। इंस्पेक्टर के मुताबिक राशिदा ने आरोपी पति पर अपनी पहली शादी की बात छिपाकर उनसे निकाह करने का आरोप लगाया था।

जिला अस्पताल के सामने दवा की 7 दुकानों का निरस्त होगा लाइसेंस

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिला अस्पताल में मरीजों और उनके तीमारदारों से मारपीट करने के आरोपी मेडिकल स्टोर संचालकों और उनके एजेंटों पर चाबुक चलने वाला है। हाल ही में सामने आए मारपीट प्रकरण के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अब जिला अस्पताल के सामने की सात दुकानदारों के खिलाफ ड्रग लाइसेंस निरस्त कराने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, पिछले दिनों जिला अस्पताल में एक मरीज के तीमारदार ने एजेंटों के दबाव में आकर दवा नहीं खरीदी और खुद सस्ते दामों पर दूसरी दुकान से दवा ले ली। इससे नाराज मेडिकल स्टोर के एजेंटों ने अस्पताल परिसर में घुसकर उसके साथ मारपीट कर दी। घटना से हड़कंप मच गया और तीमारदार सुशील कुमार भारती की तहरीर पर 20 अगस्त को पुलिस ने केस दर्ज किया। मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी भी की गई। मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज की और अगले ही दिन सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पांच मेडिकल स्टोर के एजेंट मौके पर पकड़े गए जिन्हें पुलिस ने शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया। पूछताछ में इन एजेंटों ने जिन दुकानों के नाम बताए, उनके खिलाफ पुलिस अब और कठोर कदम उठाने जा रही है। पुलिस जल्द ड्रग नियंत्रण विभाग को पत्र भेजकर सात दुकानों के लाइसेंस निरस्त कराने की सिफारिश करेगी। इसके अलावा डीएम को भी पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मरीजों और तीमारदारों को महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर करना न सिर्फ अवैध है बल्कि गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

मरीजों और तीमारदारों को सस्ती दवा का देते हैं झांसा

जिला अस्पताल परिसर में मेडिकल स्टोर के एजेंटों का घूमना कोई नई बात नहीं है। ये एजेंट मरीजों को कम कीमत पर दवा दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले जाते हैं और वहां महंगी दवाएं थमा देते हैं। जबकि प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र पर सस्ती दरों पर वही दवाएं उपलब्ध रहती हैं।

इसी तरह मरीजों को धोखा देकर आर्थिक शोषण किया जाता है। अब पुलिस का रुख साफ है कि ऐसे दुकानदारों और एजेंटों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पत्राचार कर रही है।

स्टोर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का हुआ वेरिफिकेशन

जिला अस्पताल के पास मेडिकल स्टोर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का पुलिस ने शनिवार को वेरिफिकेशन किया। इसके लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया था। टीम ने अस्पताल के आसपास संचालित होने वाले मेडिकल स्टोर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का पूरा ब्योरा नाम, पता, आधार कार्ड और मेडिकल स्टोर संचालक के दस्तावेजों की जांच की। पिछले दिनों जिला अस्पताल में तीमारदार से मारपीट के मामले में कोतवाली पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। जबरन दवा नहीं बेची जा सकती। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, ।

क्रिकेट खेलकर घर जा रहे युवक पर हमला.. बचाने गए पिता की चाकू घोंपकर हत्या

गोरखपुर, (संवाददाता)। सिद्धार्थनगर के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नागचौरी गांव में शनिवार की शाम बेटे गणेश को बचाने आए पिता रामलाल की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने मां और बहन को भी जख्मी कर दिया। घायलों को बांसी अस्पताल ले जाया गया, जहां स्थिति गंभीर देखते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस गणेश की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम पांच बजे गणेश क्रिकेट खेलकर दोस्तों संग घर वापस जा रहा था। आरोप है कि गांव के ही मुकेश, तीरथ और तुफानी ने उसे रोक लिया। उस पर धारदार हथियार और कट्टा से हमला कर दिया। गणेश ने बताया कि यह देख पिता बचाने आए। आरोपी ने पिता पर चाकू से हमला कर दिया।

इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बीच–बचाव करने आई मां और बहन पर भी चाकू से वार कर दिया। आरोप है कि हमले के बाद बहन को भी अगवा कर लिया। जाते हुए धमकी दी कि अगर किसी ने पीछा किया तो उसे गोली मार देगा। घायलों को इलाज के लिए बांसी अस्पताल भेजा गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिद्धार्थनगर मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वहां स्थिति गंभीर देखते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के नागचौरी गांव में हुई घटना के मामले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। उसकी पत्नी और बेटी को गंभीर हाल में बांसी अस्पताल ले गए। बेटे की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जा रहा है। उसकी तलाश के लिए टीम लगा दी गई है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मतदाता बनने के लिए युवा करें ऑनलाइन आवेदन

सीतापुर, (संवाददाता)। पंचायत मतदाता सूची में नाम अंकित कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। युवा इसका फायदा उठाएं। ऐसे युवक और युवती जिनकी उम्र 1 जनवरी 2025 को 18 साल पूरी हो गई है, वह मतदाता बन सकते हैं। इसके लिए वह 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 22 सितंबर तक जितने भी आवेदन ऑनलाइन होंगे, उनकी जांच 23 से 29 सितंबर तक बीएलओ घर–घर जाकर करेंगे। पंचायत मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम चल रहा है। मतदान केंद्रवार नियुक्त किए गए बीएलओ घर–घर जाकर सर्वे कर गणना कार्ड बना रहे हैं। ग्रामीण मतदाता इसका लाभ उठाएं और मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने में सहयोग करें। जिले की 1588 ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा,।

मतदाता बनने के लिए युवा करें ऑनलाइन आवेदन

सीतापुर, (संवाददाता)। पंचायत मतदाता सूची में नाम अंकित कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। युवा इसका फायदा उठाएं। ऐसे युवक और युवती जिनकी उम्र 1 जनवरी 2025 को 18 साल पूरी हो गई है, वह मतदाता बन सकते हैं। इसके लिए वह 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 22 सितंबर तक जितने भी आवेदन ऑनलाइन होंगे, उनकी जांच 23 से 29 सितंबर तक बीएलओ घर–घर जाकर करेंगे। पंचायत मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम चल रहा है। मतदान केंद्रवार नियुक्त किए गए बीएलओ घर–घर जाकर सर्वे कर गणना कार्ड बना रहे हैं। ग्रामीण मतदाता इसका लाभ उठाएं और मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने में सहयोग करें। जिले की 1588 ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा, जिससे सभी पात्र मतदाता पंचायत चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। 1893 मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा। इसके लिए हर केंद्र पर एक बीएलओ तैनात किया गया है। 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। गणना कार्ड तीन प्रतियों में बनेगा। इसकी एक प्रति जिस घर का सर्वे किया जाएगा, उसके मुखिया को दी जाएगी। ऑनलाइन आवेदनों की जांच बीएलओ 23 से 29 सितंबर तक घर–घर जाकर करेंगे।

अनंतिम मतदाता सूची का पांच दिसंबर को होगा प्रकाशन

बीएलओ परिवर्धन, विलोपन, संशोधन संबंधी सूची तैयार करेंगे। अनंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन पांच दिसंबर को किया जाएगा। इसका निरीक्षण छह से 12 दिसंबर तक किया जा सकता है। इसी अवधि में दावा और आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। इनका निस्तारण 13 से 19 दिसंबर तक किया जाएगा। 15 जनवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। यह जानकारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं निकाय वीएल भार्गव ने दी है।

एमएमएमयूटी में कल होगा पूर्वाभ्यास

गोरखपुर, (संवाददाता)। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 26 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित होगा। इसे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 25 अगस्त को पूर्वाभ्यास के साथ ही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। दीक्षांत में कुल 1473 छात्र–छात्राओं को डिग्री व उपाधि प्रदान की जाएगी। एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने दीक्षांत समारोह को लेकर शनिवार को प्रेसवार्ता में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल समारोह की अध्यक्षता करेंगी। इसरो के अध्यक्ष व भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन मुख्य अतिथि होंगे। उन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। कुलपति ने बताया कि प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल और पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक व पुरातन छात्र युगेश दीक्षित विशिष्ट अतिथि होंगे। इस मौके पर तीन पत्रिकाओं व पांच पुस्तकों का विमोचन कुलाधिपति करेंगी। दीक्षांत समारोह का सजीव प्रसारण विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया हैंडल्स यूट्यूब, एक्स एवं फेसबुक पर किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि मंच से कुलाधिपति द्वारा कुशीनगर जनपद के 10 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट का वितरण किया जाएगा और प्राथमिक विद्यालयों को राजभवन की तरफ से पुस्तकें भेंट की जाएंगी। दीक्षांत में कुल 22 स्कूली बच्चे भी शामिल होंगे। इनमें से तीन को मंच से सम्मानित किया जाएगा। दस स्कूली बच्चे पर्यावरण गीत प्रस्तुत करेंगे।

उन्होंने बताया कि भाषण प्रतियोगिता की विजेता तरकुलही की कक्षा आठवीं की छात्रा सुहानी मंच से भाषण देगी। प्रेसवार्ता के दौरान छात्र क्रियाकलाप परिषद के अध्यक्ष प्रो. वीके द्विवेदी व यूआरओ डॉ अभिजित मिश्र आदि मौजूद रहे।

10 शिक्षकों को मंच से सम्मान

दीक्षांत समारोह के मंच से 10 शिक्षकों को एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड, रिसर्च अवार्ड व पेटेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। शाम को रिसर्च अवार्ड के अन्य शिक्षकों के लिए कार्यक्रम आयोजित होगा। एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता मुख्य अतिथि होंगी। इस बार 76 छात्र–छात्राओं और 39 शिक्षकों का चयन किया गया है। इनमें पुरस्कार स्वरूप लगभग 13 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे। वीसी ने कहा कि पुरस्कार राशि शुरू होने से इंपैक्ट फैक्टर बढ़ा है।

1429 विद्यार्थियों को डिग्री, 44 को उपाधि

समारोह में कुल 1473 छात्र–छात्राओं को डिग्री और उपाधि प्रदान की जाएगी।

डीडीयू में दीक्षांत समारोह, रिहर्सल के साथ पूरी होंगी तैयारियां– 26 घंटे शहर में रहेंगी राज्यपाल

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 44वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। दीक्षांत समारोह 25 अगस्त को होगा, इसके लिए 24 अगस्त को पूर्वाभ्यास के साथ तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। दीक्षांत समारोह का आयोजन योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में दोपहर डेढ़ बजे से होगा।

डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल मेधावी विद्यार्थियों को पदक और उपाधि प्रदान करेंगी। इसके साथ ही नवीनीकृत सुविधाओं का लोकार्पण भी करेंगी। इनमें संत कबीर छात्रावास की जीर्णोद्धार (408 लाख), माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला (53.96 लाख) रसायन शास्त्र प्रयोगशाला (49.03 लाख) तथा अतिथि गृह का नवीनीकरण शामिल है। इसके साथ ही अलकनंदा छात्रावास के नए ब्लॉक (3 करोड़ रुपये) का लोकार्पण भी महामहिम करेंगी। इसके अलावा कुलाधिपति कई नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगी। इनमें इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (31.62 करोड़), विधि संकाय भवन (9.87 करोड़) और केन्द्रीय यंत्रण भवन सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी (30.82 करोड़) शामिल हैं। दीक्षांत को लेकर बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में रविवार दोपहर 12 बजे से पूर्वाभ्यास का आयोजन किया गया है। पूर्वाभ्यास में पदक विजेता सभी छात्र–छात्राओं के साथ ही विभिन्न समितियों से जुड़े शिक्षक भी शामिल होंगे। आयोजन स्थल पर रविवार को ही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बोर्ड परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि फिर बढ़ी, एक सितंबर तक करें जमा

भदोही, (संवाददाता)। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। अब 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ एक सितंबर तक चालान जमा करना होगा। इसके बाद छह सितंबर तक वेबसाइट पर विद्यार्थियों के विवरण अपलोड करने होंगे। प्रधानाचार्यों की मांग पर परिषद ने तिथि बढ़ाई है। इससे बोर्ड फॉर्म भरने से वंचित रह गए विद्यार्थियों को राहत मिली है। यूपी बोर्ड परीक्षा के फॉर्म भरने की प्रक्रिया पहली जुलाई से शुरू हो गई थी। पांच अगस्त तक निर्धारित शुल्क के साथ फॉर्म भरे गए थे। इसके बाद 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ 16 अगस्त तक परीक्षा शुल्क जमा कराया गया। उसके 20 अगस्त तक वेबसाइट पर विवरण अपलोड किए गए। इस बीच कुछ विद्यार्थी आवेदन नहीं कर पाए थे, इसलिए शिक्षक नेताओं ने तिथि बढ़ाने की मांग की। दो दिन पूर्व सचिव ने तिथि को बढ़ा दी। अब विलंब शुल्क के साथ एक सितंबर तक फीस का चालान जमा होगा। छह सितंबर तक वेबसाइट पर डाटा अपलोड करना होगा। सात से 11 सितंबर तक डाटा का सत्यापन होगा। 12 से 20 सितंबर तक संशोधन किया जा सकेगा। 30 सितंबर तक फोटो सहित लिस्ट और फंड शीट जमा करने की अंतिम तिथि तय की गई है। इसी तरह नौवीं और 11वीं की पंजीकरण तिथि भी बढ़ाई गई है। नौवीं और 11वीं के विद्यार्थियों का पंजीकरण 10 सितंबर तक होगा। 11 से 13 तक अपलोड डाटा चेक किया जाएगा। 14 से 20 सितंबर तक डाटा संशोधित किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 सितंबर तक फोटोयुक्त नामावली डीआईओएस कार्यालय में जमा करनी होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान ने बताया कि परिषद ने बोर्ड फॉर्म और पंजीकरण की तिथि बढ़ा दी गई है। इससे छूटे हुए विद्यार्थी आवेदन कर सकेंगे।

ज्ञानपुर रोड से होकर चलेगी स्पेशल ट्रेन

भदोही, (संवाददाता)। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। रेलवे दो साप्ताहिक ट्रेनों का संचालन करेगा। ये दोनों ट्रेनें ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन से होकर गुजरेंगी। उत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि रेलवे साप्ताहिक गाड़ी एसएमबीटी बंगलूरू 06529 और 06530 को 25 अगस्त से 24 फेरे के लिए चलाएगा। इसमें 06529 बंगलूरू से प्रत्येक सोमवार को 25 अगस्त से तीन नवंबर तक और 06530 गोमती नगर से प्रत्येक शुक्रवार को 29 अगस्त से सात नवंबर तक चलाई जाएगी। बताया कि दोनों गाड़ियों का ठहराव, प्रयागराज, बनारस के बीच गोपीगंज नगर स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर होगा। विशेष गाड़ी के संचालन से दक्षिण भारत से आने जाने वालों को काफी सहूलियत मिलेगी। बताया कि दोनों का ट्रेनों का ठहराव तूमकूर, अरसीकेरे जं., कडूर, दावणगेरे, हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली जं., धारवाड़, बेलगावी, घाटप्रभा, मिरज जं., सांगली, कराड, सातारा, पुणे जं., दौंड कॉर्ड लाइन, मनमाड जं., भुसावल जं., खंडवा जं., रानी कमलापति भोपाल, बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, पुखरायां, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड (गोपीगंज), बनारस, वाराणसी, औड़िहार जं., मऊ जं., बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., बस्ती और गोंडा जंक्शन पर होगा।?

खीरी से पहुंचे बाघ ने युवक को बनाया था निवाला

सीतापुर, (संवाददाता)। महोली के नरनी निवासी सौरभ उर्फ रवि दीक्षित (22) को ट्रांजिट बाघ ने शुक्रवार रात निवाला बनाया था। शनिवार को डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने प्राथमिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर बताया कि बाघ महोली क्षेत्र में स्थाई रूप से नहीं रहता है। वह खीरी से कठिना नदी के किनारे होते हुए नरनी तक पहुंचा है। वन विभाग की चार टीमों के 16 सदस्य बाघ की तलाश में जुटे हैं। इनका नेतृत्व डीएफओ नवीन खंडेलवाल के साथ ही दुधवा के बायोलॉजिस्ट डॉ. दयाशंकर कर रहे हैं। मचान बनाकर निगरानी शुरू कर दी गई है। नरनी में शनिवार दोपहर तक ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए वनकर्मी पहुंचने की हिम्मत नहीं जुटा सके। इस सबके बीच डीएफओ ने दावा किया कि शनिवार सुबह घटनास्थल का निरीक्षण किया है। दोपहर में दुधवा से बायोलॉजिस्ट डॉ. दयाशंकर डीएफओ कार्यालय पहुंचे। उनके साथ पीलीभीत के दो अनुभवी वाचर भी हैं।

10 ट्रैप कैमरे और एक नाइट विजन ड्रोन की ले रहे मदद

डीएफओ ने बताया कि बाघ के रेस्क्यू के लिए दो पिंजरे, चार ट्रैंकुलाइजर गन, दस ट्रैप कैमरे, एक नॉर्मल ड्रोन के साथ एक इंफ्रा रेड नाइट विजन ड्रोन दुधवा से मंगवाए गए हैं। विशेष रूप से तैयार पिंजरा युक्त ट्रैक्टर को भी अभियान में शामिल किया गया है। घटनास्थल बाघ के लिए अनुकूल है। खेतों में बारिश का पानी उपलब्ध है। ऊंची–नीची जमीन और घना गन्ना रेस्क्यू ऑपरेशन की जटिलता बढ़ा सकता है।

खीरी पीलीभीत रेंज में बढ़ा बाघ का कुनबा, तो सीतापुर बना ठिकाना

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार खीरी पीलीभीत रेंज में 170 बाघ विचरण कर रहे हैं। करीब 10 से 20 वर्ग किलोमीटर में एक बाघ मौजूद है। इस रेंज में बाघों का कुनबा बढ़ने के कारण ही भौगोलिक दृष्टि से निकटतम व संरचनात्मक दृष्टि से अनुकूल वातावरण के कारण बाघों ने सीतापुर में ठिकाना बनाया है। विभाग का दावा है कि सोशल मीडिया पर सीतापुर में पांच बाघों के घूमने की चर्चा गलत है। डीएफओ ने सिर्फ दो बाघों की मौजूदगी को स्वीकारा। दोनों बाघ नदी के किनारे से आते–जाते हैं। दोनों ही स्थाई नहीं हैं।

तो अभी आदमखोर घोषित नहीं होगा बाघ

डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि बाघ को अभी आदमखोर घोषित करना उचित नहीं होगा। वन विभाग के नियमों के अनुसार अगर कोई बाघ एक सप्ताह में ही दो से तीन बार मानव का शिकार करे, तभी उसे आदमखोर घोषित किया जा सकता है। इस प्रक्रिया के तहत प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव प्रतिपालक बाघ को आदमखोर घोषित करते हैं। इस प्रकरण में बाघ ने अब तक सिर्फ एक ही युवक को निवाला बनाया है, इसलिए उसे आदमखोर नहीं घोषित किया जा सकता।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट रू बाघ ने सबसे पहले सौरभ की गर्दन दबोची

नरनी निवासी सौरभ उर्फ रवि को बाघ ने शुक्रवार रात निवाला बनाया था। शनिवार को उनका पोस्टमार्टम हुआ। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार बाघ ने सबसे पहले सौरभ की गर्दन पर हमला किया। उसके जबड़े का दबाव इतना था कि सौरभ चिल्ला भी नहीं पाए। स्पाइनल कॉर्ड कट गई। गर्दन को दबाने के बाद बाघ ने पंजे से सिर पर प्रहार किया। पंजा लगते ही सिर के बाएं हिस्से में गड्ढा हो गया। इसके बाद सौरभ की मौके पर ही मौत हो गई।

यह है ट्रांजिट बाघ

डीएफओ के अनुसार ऐसे बाघ जो किसी बाघ अभयारण्य या संरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलकर नए क्षेत्र में चले गए हों उन्हें ट्रांजिट बाघ कहते हैं। बाघ ऐसा मुख्य रूप से भोजन की तलाश, नए आवास की खोज व बेहतर प्रजनन के अवसरों के लिए करते हैं। जनसंख्या घनत्व में वृद्धि भी इसका मुख्य कारण है। बाघ अपनी जगह बनाने के लिए दूसरे बाघों से संघर्ष भी करते हैं। इनमें जो हार जाते हैं, वे नए ठिकाने की तलाश में निकल जाते हैं। सीतापुर पहुंचा बाघ ऐसा ही है।

ताऊ ने किया अंतिम संस्कार

सौरभ का अंतिम संस्कार शनिवार को नरनी गांव में ही हुआ। ताऊ सुरेश उर्फ पप्पू ने मुखाग्नि दी। सुरेश का विवाह नहीं हुआ था। ऐसे में सौरभ उनके पास रहकर उनकी देखभाल करते थे। एसडीएम महोली देवेंद्र मिश्र ने बताया कि दैवीय आपदा कोष से आश्रितों को चार लाख और वन विभाग की ओर से एक लाख रुपये सहायता राशि दी जाएगी।

डीएफओ को देखकर भड़के ग्रामीण

शनिवार दोपहर तीन बजे महोली विधायक शशांक त्रिवेदी गांव पहुंचे। शाम चार बजे डीएफओ नवीन खंडेलवाल मौके पर पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। विधायक ने किसी तरह से ग्रामीणों को समझाया। डीएफओ ने कहा कि जनहानि एक दुखद घटना है। हम जल्द से जल्द बाघ को पकड़ लेंगे।

शनिवार शाम बाघ को देखने का दावा

शनिवार शाम पांच बजे कुछ ग्रामीणों ने बाघ को एक स्कूल के पास देखने का दावा किया। इस पर वन विभाग की टीम ने ड्रोन उड़ाकर जांच की। कैमरे में एक भैंस व मोर कैद हुआ। करीब दस मिनट तक अधिकारी ड्रोन उड़ाते रहे। शाम साढ़े पांच बजे डीएफओ ने जाली वाले ट्रैक्टर पर विशेषज्ञों के साथ बैठकर घटनास्थल की जांच की। अभी तक टीम को पगचिह्न नहीं मिल पाए हैं। शाम छह बजे मचान व ट्रैप कैमरे लगाने का स्थान चिह्नित किया गया। डीएफओ ने बताया कि नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र में टीम को रोका गया। टीम मचान बनाएगी व निगरानी करेगी।

विधायक ने मृतक आश्रित के लिए मांगी नौकरी

विधायक शशांक त्रिवेदी ने बताया कि डीएफओ से बात हुई है। वन विभाग में मृतक के किसी एक आश्रित को संविदा पर नौकरी दी जाएगी। रात में गश्त करने वाले जिम्मेदार पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

कुशोत्पाटनी अमावस्या पर दान देकर कमाया पुण्य

सीतापुर, (संवाददाता)। भाद्र मास की शनिश्चिरी कुशोत्पाटनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने आदि गंगा गोमती व चक्रतीर्थ में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान व पूजन के बाद पुरोहितों को दान–दक्षिणा देकर पुण्य व यश अर्जित किया। शनिवार के दिन अमावस्या पड़ने के कारण श्रद्धालुओं ने शनि की कृपा पाने के लिए काली वस्तुओं का दान भी किया। श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से विभिन्न मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। नैमिष पहुंचे श्रद्धालुओं ने शुक्रवार रात 12 बजे से स्नान–दान का क्रम शुरू कर दिया था। चक्रतीर्थ व गोमती में स्नान एवं आचमन मार्जन के उपरांत श्रद्धालुओं ने पुरोहितों को अन्न एवं दक्षिणा भेंट कर पुण्य लाभ अर्जित किया। अपने पितरों की शांति के लिए पिंडदान और पितृदोष से मुक्ति के लिए पूजन किया। इसके उपरांत ललिता देवी मंदिर, कालीपीठ, हनुमान गढ़ी, सूत गद्दी, व्यासगद्दी, देवपुरी मंदिर, बालाजी मंदिर, देवदेवेश्वर में माथा टेककर मनौतियां मांगी। स्नान दान का क्रम शनिवार देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान प्रसिद्ध शिव मंदिरों में पूरे दिन पूजा, पाठ व अनुष्ठानों का दौर चलता रहा। वर्षभर पूजन के लिए श्रद्धालु कुश भी खरीदकर ले गए। लहरपुर के सूर्यकुंड मंदिर प्रांगण स्थित सरोवर में स्नान कर श्रद्धालुओं ने भोलेशंकर की पूजा अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी विनोद गोस्वामी ने बताया कि भाद्रपद कृष्ण शनिश्चरी अमावस्या पर स्नान–दान का विशेष महत्व है। अमावस्या के अवसर पर सभी को पितरों की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इससे उन्हें शांति और तृप्ति मिलती है। इस दौरान आयोजित भंडारों में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यहां मेले का आयोजन भी किया गया।

एसिसडा के अध्यक्ष बने रामानंद, बीआर बत्रा को 12 मतों से हराया

भदोही, (संवाददाता)। रामानंद नेहरा को आगामी दो वर्षों के लिए ऑल इंडिया कार्पेट यार्न स्पिनर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन (एसिसडा) का अध्यक्ष बनाया गया है। शनिवार को रजपुरा स्थित संगठन कार्यालय में हुए चुनाव में वे निर्वाचित किए गए। इसके अलावा सुशील कुमार नाहटा मानद महासचिव और मुरली मनोहर बोड़ा कोषाध्यक्ष होंगे। निर्वाचन के बाद रामानंद नेहरा ने कहा कि सदस्यों को संगठित करना और नए सदस्यों को संगठन से जोड़ना उनकी प्राथमिकता होगी। निवर्तमान अध्यक्ष धर्मपाल गुप्त ने कहा कि तीनों पदों पर दो–दो प्रत्याशी थे। अध्यक्ष रामानंद नेहरा 65 मत और दूसरे स्थान पर रहे बीआर बत्रा को 53 मत प्राप्त हुए।

स्कूलों में जाकर सनातन छात्राओं को धर्म के प्रति जागरूक करें

भदोही, (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद की ओर से शनिवार को मेनरोड स्थित श्री महादेव मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय महिला परिषदध्ओजस्विनी परिषद की ओर से महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में आईं मेरठ क्षेत्र की क्षेत्रीय अध्यक्ष अंजली सैनी ने कहा कि संगठन महिला सशक्तीकरण अभियान चलाया जाना है। इसके तहत विद्यालयों में जाकर छोटे–छोटे संगोष्ठी के माध्यम से बालिकाओं, छात्राओं को जागरूक करने का लक्ष्य है। संगोष्ठियों के माध्यम से बालिकाओं और छात्राओं को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। देश में चल रहे धर्म परिवर्तन के लिए शादी के आतंक को समाप्त करने का यही सबसे सरल तरीका है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।